

हरिभूमि

सरगुजा-कोरिया भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार, 14 अगस्त 2026

अम्बिकापुर | सूरजपुर | बलरामपुर | विश्रामपुर | लखनपुर | रामानुजगंज

Nishant's
**NEXT
WORLD**
The fashion mall

NISHANT NEXT WORLD

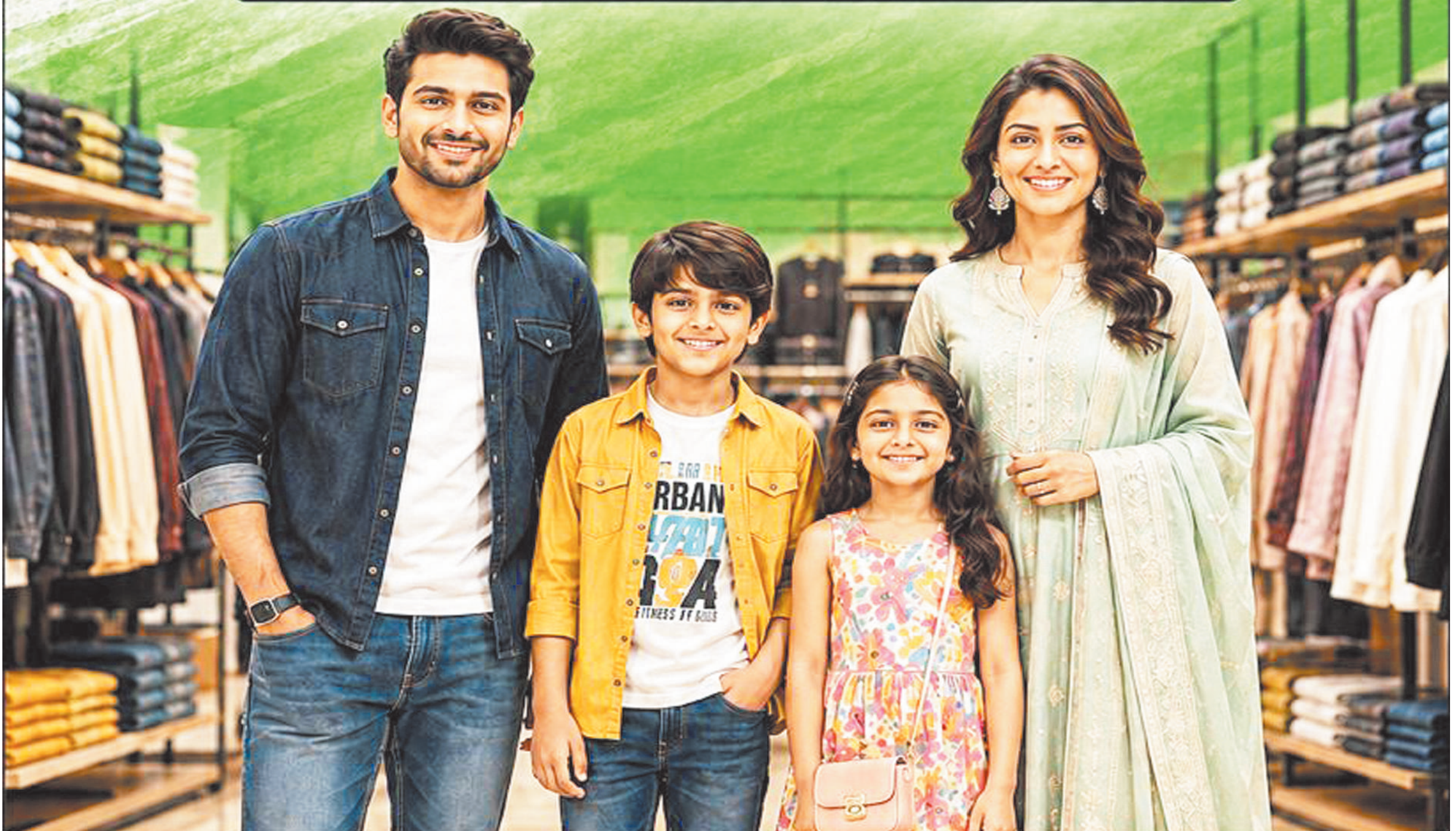
FREEDOM SALE

FLAT 50% TO 70% OFF

13 • 14 • 15 • 16 AUGUST

4 DAYS ONLY • DON'T MISS OUT!

MEN'S • WOMEN'S • KIDS



Ambedkar Chowk,
Ambikapur, Chhattisgarh, 497001



+91 77742 30041



केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से कृषि मंत्री ने की मुलाकात रामानुजगंज। रामानुजगंज और बलरामपुर में बाईपास निर्माण की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर कृषि मंत्री रामविचार नेताम द्वारा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर क्षेत्र की महत्वपूर्ण मांग को मजबूती से रखा गया। नितिन गडकरी द्वारा दोनों बाईपास परियोजनाओं की डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए जाने रामानुजगंज क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। इससे आने वाले समय में क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ-साथ विकास और व्यापार को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

बाइक की टक्कर से गंभीर ग्रामीण की गई जान अम्बिकापुर। मवेशी चराने जा रहे ग्रामीण को सड़क पार करते समय बाइक सवार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर हुए ग्रामीण की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार बतौली थाना अंतर्गत ग्राम कुनकुरी कला निवासी दिलबहार तिग्गा (60 वर्ष) गत दिन सुबह मवेशियों को लेकर चराने जा रहा था। जैसे की ग्रामीण मवेशियों को लेकर सड़क पार करने लगा तभी विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी जिससे वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। इधर घटना की जानकारी लगने पर परिजन वृद्ध का शान्तिपारा अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने घायल की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान वृद्ध की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

आकाशीय बिजली की चपेट आने से गंभीर महिला की गई जान अम्बिकापुर। खेत में रोपा लगाते समय आकाशीय बिजली करने तथा चपेट में आने से गंभीर हुई महिला की निजी अस्पताल में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार जयनगर थाना अंतर्गत ग्राम सुंदरगंज निवासी पार्वती पति महेन्द्र (39 वर्ष) बुधवार को गांव के अन्य लोगों में गिरी जिससे महिला चपेट में आ गई। गाज की चपेट में आने से महिला मौके पर ही अचेत हो गई। घटना को देख परिजन सहित आसपास के लोगों ने तत्काल महिला को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने जांच उपरांत महिला को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात लाश का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

गाज की चपेट में आने से ग्राम कुम्हरता में दो भैंसों की मौत अम्बिकापुर। ग्राम कुम्हरता में गाज की चपेट में आने से दो भैंसों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ग्राम कुम्हरता निवासी केंदा सिंह रोज की तरह अपने दो भैंसों को घर से 50 मीटर दूर स्थित पेड़ के नीचे बांधा था। बुधवार की शाम अचानक मौसम बदला तथा गरज चमक होने लगी। इस दौरान पेड़ पर गाज गिरने के कारण दोनों भैंसे चपेट में आ गए तथा घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई। केंदा सिंह अपने भैंसों की मदद से खेतों की जुताई करता था। खेती के समय दोनों भैंसों की मौत होने से किसान के समक्ष गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। मृत भैंस की कीमत 50 हजार रुपए बताई जा रही है।

जल जमाव होने के कारण हर साल होती है समस्या

खतरनाक गड़ों के कारण खरसिया मार्ग से आवागमन हुआ मुश्किल, लग रहा जाम

हरिभूमि न्यूज | अम्बिकापुर

शहर के खरसिया चौक से दरिमा मोड़ तक की सड़क बड़े-बड़े गड़ों के कारण आवागमन की दृष्टि से बेहद खतरनाक हो गई है। मार्ग में जल निकासी का नहीं संकट यात्रियों के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। विभाग वर्षों बाद भी जल निकासी का उपाय नहीं ढूंढ पाया है।

अम्बिकापुर-रायगढ़ राजमार्ग क्रमांक 343 शहर के बीच से गुजरता है। इस मार्ग में खरसिया चौक से दरिमा मार्ग तक बारिश का पानी जमा होने के कारण हर साल सड़क में बड़े-बड़े गड़ें बन जाते हैं जिससे आवागमन में भारी समस्या होती है तथा गड़ों में वाहनों के फंसने से जाम की स्थिति निर्मित होती है। विभाग हर साल बरसात के दौरान गड़ों में गिट्टी, मुरुम भर कर काम चलाऊ व्यवस्था करता है तथा बरसात बाद क्षतिग्रस्त सड़क का हर साल निर्माण कराता है। सड़क पर जमा होने वाले बरसात के पानी के निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण वर्षों से यही सिलसिला चल रहा है तथा विभाग हर साल आवागमन सुचारु रखने के नाम पर शासकीय राशि का दुरुपयोग कर रहा है। बारिश होते ही महाभाया पहाड़ का पानी पूरे इलाके में भर



जर्जर सड़क के गड्ढे एवं जगह-जगह जमा पानी।

मिल चुकी है निर्माण की स्वीकृति जल जमाव से राहत के लिए शासन द्वारा खरसिया मार्ग की डामरकूत सड़क पर सीसी रोड बनाने एवं जल निकासी के लिए दोनों ओर वाली निर्माण की स्वीकृति पूर्व में ही दी जा चुकी है। विभाग द्वारा निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया भी पूरा कर चुका है लेकिन बरसात शुरू होने के कारण निर्माण प्रारंभ नहीं हो सका है। सड़क के पानी की निकासी भी विभाग के लिए बड़ी समस्या बनी है मार्ग से सटी जल संसाधन विभाग की नहर जल निकासी के लिए उपयोगी साबित हो सकती है लेकिन नहर की ऊंचाई अधिक होने के कारण विभाग को अन्य तरीकों का सहारा लेना पड़ेगा। जल निकासी का दूसरा विकल्प लुक्की घाट तक नाली निर्माण हो सकता है। आसपास में निजी भूमि होने के कारण जल निकासी का कोई दूसरा विकल्प नहीं तलाश जा सका है। अम्बिकापुर-मनेन्द्रगढ़ राजमार्ग में भी कई स्थानों पर जल जमाव की समस्या होती है। शासन द्वारा गांधी चौक से रेलवे स्टेशन तक सीसी रोड निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है लेकिन जल निकासी का विकल्प अभी तक नहीं ढूंढा जा सका है।

पुलिया निर्माण जरूरी खरसिया मार्ग में जल निकासी के लिए पुलिया निर्माण को आवश्यक बताया जा रहा है। शासन द्वारा इसकी स्वीकृति भी प्रदान की गई है। सांसद चित्तामणि महाराज ने बताया कि परेशानी को देखते हुए उन्होंने बरसात पूर्व ही अधिकारियों को जल निकासी के लिए पुलिया निर्माण सहित अन्य आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए थे लेकिन अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इसी मार्ग में थोक की दुकानें होने के कारण हर समय वाहनों का जमावड़ा लगा रहता है।

जाता है। आसपास के क्षेत्रों में घनी निकासी के पुराने सभी मार्ग के जलप्रतिनिधियों ने भविष्य में होने आबादी होने के कारण जल अवरूद्ध हो गए हैं। इस बार भी क्षेत्र वाली परेशानी को देखते हुए विभाग

50 से अधिक आवारा मवेशियों को लेकर ग्राम परसा के ग्रामीण पहुंचे कलेक्टरेट परिसर

हरिभूमि न्यूज | अम्बिकापुर

गुरुवार की दोपहर में उस समय कलेक्टरेट परिसर का नजारा बदल गया जब 13 किमी का पैदल सफर कर 50 से अधिक आवारा मवेशियों को लेकर ग्राम पंचायत परसा के ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय के समक्ष पहुंच गए। इस दौरान ग्रामीण आवारा मवेशियों की व्यवस्था करने की मांग लेकर पशुओं के साथ कलेक्टर कार्यालय के मुख्य द्वार के समक्ष लंबे समय तक जमे रहे।

आवारा मवेशी शहर के साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए चुनौती बन बए है। आवारा मवेशी ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार खरीफ फसलों को तबाह कर रहे हैं। शहर से सटे ग्राम पंचायत परसा सहित आसपास गांवों में आवारा मवेशियों की संख्या में वृद्धि होने एवं खरीफ फसलों की तबाही से त्रस्त किसान 50 से अधिक आवारा मवेशियों को पैदल हांकेते हुए दोपहर में कलेक्टर कार्यालय परिसर पहुंचे एवं कलेक्टर कार्यालय के मुख्य द्वार के समक्ष जमा हो गए। ग्रामीणों ने आवारा मवेशियों



को मुख्य द्वार के सामने ही बैठा दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में मवेशियों एवं ग्रामीण की उपस्थिति लोगों के लिए कौतूहल का विषय बना रहा। ग्रामीणों के साथ पहुंचे सरपंच फूलचंद मानिकपुरी एवं सरपंच प्रतिनिधि मनोज कुमार पोया ने बताया कि शहर में घूमने वाले आवारा मवेशियों को काट केचर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में छोड़ दिया जा रहा है। आवारा मवेशी क्षेत्र में

धान, मक्का व उड़द की फसल को लगातार तबाह कर रहे हैं। तबाही बढ़ने पर मवेशियों की पहचान कराई गई तो जानकारी मिली कि कोई मवेशी गांव का नहीं है। नरिन द्वारा आवारा मवेशियों को पकड़ कर काट केचर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में छोड़ा गया है। आवारा मवेशियों के क्षेत्र आवारा मवेशियों की सक्रियता बढ़ने के कारण किसानों को भारी क्षति उठानी पड़ रही है।

आवारा मवेशियों को कलेक्टर को सौंपने का निर्णय लिया गया ताकि वे गोशाला एवं कांजी हाउस में इनके भोजन एवं रहने की व्यवस्था कर सके। ग्रामीणों ने बताया कि शहरी क्षेत्र के मवेशियों को ग्राम पंचायत परसा में पहुंचाने का अकेला मामला नहीं है। शहर से सटे अन्य गांवों शहरी क्षेत्र आवारा मवेशियों की सक्रियता बढ़ने के कारण किसानों को भारी क्षति उठानी पड़ रही है।

500 वर्ष से अधिक पुराने नाथल दाई धाम में उमड़ा जनसैलाब, हुई महाआरती

नाथल दाई मंदिर को भव्य स्वरूप देने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज | अम्बिकापुर

ग्राम बेनीपुर स्थित प्राचीन माता नाथल दाई मंदिर परिसर में गुरुवार सुबह धार्मिक अनुष्ठान एवं मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। बैगाओं द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर नाथल दाई सेवा समिति के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं ने माता नाथल दाई के प्राचीन स्थल पर भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प लिया। पूजा-अर्चना के पश्चात माता नाथल दाई की महाआरती एवं हनुमान चालीसा पाठ एवं मां महाभाया की आरती की गई।



महाआरती में भारत सिंह सिसोदिया, अनुराग सिंह देव, निरुपा सिंह एवं मेजर अनिल सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महाआरती के पश्चात जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह द्वारा मंदिर निर्माण के लिए विधिवत भूमि पूजन कर पांच फावड़े

चलाकर निर्माण कार्य की शुरुआत की गई। आयोजन में आसपास की आठ-दस ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु पहुंचे। सभी ने धार्मिक आयोजन में सहभागिता की तथा महाभंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के समापन पर मंदिर परिसर के मुख्य

द्वार पर एक विशाल ध्वज तथा चारों कोनों पर चार ध्वज स्थापित किए गए। इससे पूरा परिसर धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर हो उठा। विश्व हिंदू परिषद सरगुजा के जिलाध्यक्ष विनोद गुप्ता ने बताया कि ग्राम बेनीपुर में माता नाथल देवी के प्राचीन मंदिर के अवशेष आज भी मौजूद हैं तथा यहां बाउंड्रीवाल भी निर्मित है। प्राचीन समय से ही इस स्थल पर बैगा, गुनिया, देवार एवं ग्रामीणों द्वारा पूजा-अर्चना की जाती रही है। लोक मान्यता के अनुसार गांवों में होने वाले पारंपरिक पूजा-पाठ में माता कामाख्या की लघु स्वरूप मानी जाने वाली माता नाथल देवी

की भी पूजा की जाती रही है। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक आलोक सिंह ने कहा कि नाथल दाई भी लोक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। ग्रामीणों एवं बुजुर्गों के अनुसार यह स्थल करीब 500 वर्ष से अधिक पुराना है और माता नाथल दाई को चंद्रहासिनी देवी की बहन तथा मां कामाख्या की छोटी बहन के रूप में पूजित माना जाता है। कार्यक्रम में अनुज दुबे, जनमेजय मिश्रा, निलेश सिंह, रूपेश दुबे, नाथल दाई सेवा समिति के अध्यक्ष अर्जुन पटेल, उपाध्यक्ष सतीश यादव, सचिव एवं सरपंच हरिशंकर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित थे।



युवक अपने किराए के मकान को बना लिया था महुआ शराब की फैक्ट्री

हरिभूमि न्यूज | अम्बिकापुर

शहर के विभिन्न क्षेत्र में गश्त कर रही संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम को आज उस समय बड़ी सफलता हाथ लगी जब टीम ने शहर के पटपरिया स्थित एक मकान में दबिश दी। हेरानी की बात तो यह है कि टीम ने जिस मकान में दबिश दी वहां युवक अपने किराए के मकान में महुआ शराब की फैक्ट्री बना रखा था। टीम ने दो कमरों से 480 किलो महुआ लहान के साथ 70 लीटर महुआ शराब जब्त किया। टीम ने युवक गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर आबकारी आयुक्त पीएस एल्मा ने अवैध शराब निर्माण, संग्रहण एवं बिक्री पर रोक लगाने के सख्त निर्देश दिए हैं। निर्देश के परिपालन में गुरुवार को संभागीय आबकारी उड़नदस्ता की टीम सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में अम्बिकापुर शहर विभिन्न क्षेत्र में गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान संकटमोचन मंदिर पटपरिया

उड़नदस्ता की टीम के होश उड़ गए। एक कमरे में 8 चढ़ी भट्टियों में शराब बनाया जा रहा था तथा दूसरे कमरे में 24 प्लास्टिक के डिब्बों में शराब बनाने के लिए महुआ लहान भरकर रखा गया था। सभी भट्टियों में से शराब निकाल कर माप करने पर कुल 70 लीटर महुआ शराब जब्त किया तथा 24 प्लास्टिक के डिब्बों में 480 किलो महुआ लहान बरामद कर मौके पर पंचनामा बनाकर नष्ट कर दिया गया। टीम ने शराब बनाने के सभी उपकरणों एवं बर्तन को भी जब्त कर लिया गया। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता की टीम ने आरोपी अर्जुन कुजूर को आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1)(क)(च), 34(2) 59(क) के तहत गिरफ्तार कर

➡➡शेष पेज 4 पर

स्वतंत्रता दिवस पर 8 कैदियों को मिली आजादी, जेल से बाहर आते ही आंखें नम

अम्बिकापुर। केंद्रीय जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों के लिए गुरुवार का दिन खास रहा। बेहतर आचरण के फलस्वरूप समीक्षा बोर्ड की सिफारिशों पर केंद्रीय जेल के आठ कैदियों को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व



संख्या पर आजादी का तोहफा दिया गया है। वर्षों से जेल में आ जा न

सजा काट रहे थे और पिछले 14-15 वर्षों से जेल में बंद थे। अचानक मिली इस रिहाई और इन्होंने लंबे समय बाद जेल से बाहर आने के दौरान ये कैदी काफी भावुक नजर आए और उनकी आंखें नम हो गईं। जेल में उनका आचरण काफी अच्छा रहा, जिसके चलते समीक्षा बोर्ड की सिफारिश पर इन्हें समय से पूर्व रिहा किया गया है। अधीक्षक ने बताया कि जेल नियमावली के तहत संबंधित जिले के कलेक्टर और जेल अधीक्षक की रिपोर्ट पर समीक्षा बोर्ड गठित की जाती है, जिसके आधार पर कैदियों को रिहाई मिलती

है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अन्य कैदी भी जेल नियमों का पालन करेंगे ताकि भविष्य में उन्हें भी समय से पूर्व रिहाई का लाभ मिल सके। इस दौरान कैदियों ने जेल में रहते हुए अपने कार्यों से जो पारिश्रमिक अर्जित किया था, वह उन्हें लौटाया गया है। जिन कैदियों को बैंक खाते थे, उनमें राशि ट्रांसफर कर दी गई है, जबकि अन्य को चेक के माध्यम से पारिश्रमिक दिया गया है। जेल से रिहाई के समय कैदियों के परिजनों और अधिकारियों में काफी उत्साह और भावुक माहौल देखने को मिला।

सफाई कार्य में लापरवाही, दो ठेकेदारों के भुगतान में 20.57 लाख की कटौती

अम्बिकापुर। सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर नगर निगम में बड़ी कार्रवाई की है। निगम ने मैनुअल सफाई कार्य में पयाप्त श्रमिक और वाहन नहीं लगाने को अनुबंध शर्तों का उल्लंघन मानते हुए ठेकेदारों के तीन महीने के भुगतान की राशि से 20 लाख रुपए से अधिक की कटौती की है। बता दें कि शहर में 24 वार्डों के साथ ही रिंग रोड की मैनुअल सफाई का ठेका दो ठेकेदारों को दिया गया है। इन ठेकेदारों को अनुबंध के अनुसार श्रमिक और वाहन लगाकर सफाई का कार्य व कचरा उठाव करना है लेकिन ठेकेदारों द्वारा अनुबंध शर्तों का उल्लंघन करते हुए सफाई कार्य में लापरवाही की जाए रही है जिससे शहर की सफाई व्यवस्था चौपट हो गई है और लोगों में नाराजगी है। सफाई में लापरवाही का मुद्दा नरिन

की सामान्य सभा में भी उठा था। ऐसे में महापौर श्रीमती मंजूषा भगत के निर्देश पर नरिन आयुक्त द्वारा पूर्व में सफाई ठेकेदारों को कई बार सफाई कार्य में सुधार तथा अनुबंध शर्तों अनुसार सफाई कार्य कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त उन्हें लिखित नोटिस भी जारी कर कार्य में सुधार के निर्देश दिये गये थे, किंतु सफाई ठेकेदारों द्वारा अनुबंध शर्त अनुसार श्रमिक एवं कचरा उठाव हेतु वाहन लगाकर कार्य नहीं कराया जा रहा है। सफाई ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत देयक माह मई, जून एवं माह जुलाई के देयक से कटौती की कार्रवाई की गई है जिसके तहत समूह क्रमांक 1 एवं समूह क्रमांक 3 के ठेकेदार के देयक से राशि 10 लाख 20 हजार 250 रुपए एवं समूह क्रमांक 2 व रिंग रोड

➡➡शेष पेज 4 पर

